will be completely in hand, and there will be no loss, either in the harvesting of paddy or in the sowing of the rabi crop.

श्री ब्रजभूषण तिवारी (खलीलाबाद) : अध्यक्ष महोदय, अभी जो बयान मंत्री महोदय ने दिया है, इस सम्बन्ध में मेरा अनुरोध है यह कि उन्होंने इसमें मध्य प्रदेश नहीं जोड़ा और उसके साथ साथ उत्तर प्रदेश के कुछ पूर्वी जिले हैं जिनसे सारा उत्तर प्रदेश प्रभावित है। अभी मैं 19 तारीख को अपने जिले बस्ती में था वहां पर मैंने हर पैट्रोल पम्प पर यह देखा कि हजारों की तादाद में लोग डीजल और मिट्टी के तेल के लिये लाइनों में लगे हुए थे। गांव के किसान यह कह रहे थे कि साहब हम लोगों ने जनता पार्टी को पैसा दिया, वोट दिया और बक्सा रखवाया, मगर आज जब गेहूं की बुवाई का सीजन है, उस समय न तो पम्पिंग सैट चल पा रहा है और न लोग ट्रेक्टर चला पा रहे हैं।

हमारा इलाका बाढ़ग्रस्त है, वहां पर गांव के गरीब लोगों को लालटैन, डिबरी व दिया तक जलाने के लिये तेल का इंतजाम नहीं है। इसके साथ ही पूर्व के जिलों में छोटी लाइन है, लेकिन वहां पर वेयर-हाउसिंग कार्पोरेशन के भंडार गृह नहीं बनाये गये जिससे लोगों को खाद मिल सके। उत्तर प्रदेश में जो खाद लोगों को दिया जा रहा है, वह कांडला से आ रहा है। आप कल्पना कीजिये कि कांडला बन्दरगाह से जो विदेशी खाद आये वहां उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिलों में ट्रांस्पोर्ट की दिक्कत होने के कारण कैसे पहुंच पायेगा ?

आज ट्राई खाद की सबसे ज्यादा जरूरत है। आने वाले 10 दिन के बाद यूरिया खाद की जरूरत पड़ेगी। पर वहां पर यह सारा संकट है, इसलिये मैं अर्ज करना चाहता हूं कि वहां पर प्लानिंग की कमी है ट्रांस्पोर्ट की योजना की कमी है और साथ ही साथ डिस्ट्रीब्यूशन की व्यवस्था की कमी है। इस समय यह सब चीजें वहां मिलनी चाहियें क्योंकि यही सीजन है। अगर 10 दिन निकल जायेंगे और उसके बाद चाहे आप पूरे प्रदेश को डीजल से बहा दें तो उसकी कोई उपयोगिता नहीं रहेगी और खाद की भी कोई उपयोगिता नहीं रहेगी।

इसलिये मैं मंत्री जी से सीधा सवाल करना चाहूंग कि क्या यह सही है कि एक्सपर्ट कमेटी के तमाम विशेषज्ञों ने यह राय दी कि हमारी स्टोरेज कपेसिटी को बढ़ाने के लिये तत्काल कोई ऐसा उपाय किया जाना चाहिये जिससे इस अहम बुवाई के समय में हम पर्याप्त मात्रा में स्टोर कर सकें और अपने डीजल या पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का ताकि जरूरत के समय या किसी अन्तर्राष्ट्रीय कमी के समय कोई सीधा असर न हो ?

दूसरी बात यह है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिले में खाद मुहय्या कराने के लिये क्या व्यवस्था की जा रही है क्योंकि हमारे जिले में इसकी बहुत आवश्यकता है ? मैं 19 तारीख की बात बताता हूं कि वहां के हमारे अधिकारियों ने कहा कि वहां पर 1 लाख लिटर डीजल की प्रतिदिन आवश्यकता है। इस समय 10 हजार लीटर से भी कम वहां पर उपलब्ध हो रहा है। बड़े डीलर्स वहां पर गड़बड़ कर रहे हैं, छोटे डीलरों का काम यह नहीं है। बड़े डीलर्स स्टोर कर रहे हैं, छोटे डीलर्स की न कुव्वत है और न हिम्मत है कि वह ऐसा करें। मेरे जिले में ऐसे 3 डीलरों को पकड़ा गया, मगर उसके बाद भी एक बूंद डीजल भी हमारे जिले में उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। यह बड़े अफसरों, बड़े डीलरों और अन्तर्राष्ट्रीय कमीशन एजेन्टों की एक बड़ी कांस्प्रोरेसी है। ये तीनों मिल कर इस देश में एक आर्टिफिशल स्केर्सिटी पैदा करना चाहते हैं, जिसका सीधा असर इस देश के किसानों पर पड़ रहा है।

खाद में मिलावट की भी बड़ी समस्या है। सरकारी गोदामों में जो खाद है, उसमें मिलावट है। किसानों को घटिया किस्म का खाद मिल रहा है, जिससे उन लोगों को बहुत बड़ा नुकसान होगा। मंत्री महोदय इन समस्याओं पर भी विचार करें।

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : माननीय सदस्य ने खाद में मिलावट का जो प्रश्न उठाया है, मैं अपने साथी, कृषि मंत्री, का ध्यान उसकी ओर आकृष्ट कर दूंगा।

मैं माननीय सदस्य की राय से सहमत हूं कि उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में हमारी तेल के भंडार की क्षमता स्टोरेज कपेसिटी, पूरी नहीं है और वितरण व्यवस्था पर उसका कुप्रभाव पड़ता है। उस को ठीक करने के लिए हम चेष्टा करेंगे। माननीय सदस्य ने कहा है कि वहां कुछ डीलर पकड़े गये हैं, मगर फिर भी तेल नहीं मिलता है। इससे तो कुछ और ही बात सिद्ध होती है। इससे हमारी सप्लाई की व्यवस्था की गड़बड़ी हमारे सामने आती है। अगर डीलर्स की तरफ़ से कुछ गड़बड़ी होती, तो उनके पकड़ जाने के बाद तेल मिल जाता। हम इस सारी स्थिति को देख रहे हैं। इस बयान में यह कमी रह गई है कि हम पूर्वांचल के पूरे आंकड़े नहीं दे पाये हैं। लेकिन मैं माननीय सदस्य को वचन देना चाहता हूं कि पूर्वांचल के बारे में भी हम चिंतित हैं और हम वहां पूरी मात्रा में तेल भेजने की चेष्टा करेंगे और तेल की कमी के कारण कोई हानि नहीं हो पायेगी।

12.52 hrs.

COMMITTEE ON PAPERS LAID ON THE TABLE

TENTH REPORT

SHRI DWARIKADAS PATEL (Amreli): I beg to present the Tenth Report of the Committee on Papers laid on the Table.